UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **8687/02**
9687/02

Paper 2 Reading and Writing

October/November 2004

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen on both sides of the paper.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.
Dictionaries are not permitted.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
You should keep to any word limits given in the questions.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिए निर्देश पढ़िए

यदि आपको उत्तर–पुस्तिका दी जाती है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें ।
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर अपनी केन्द्र संख्या, छात्र संख्या और अपना नाम लिखें ।
गहरी नीली या काली स्याही वाले कलम से कागज़ के दोनों ओर लिखें ।
स्टेप्ल, पेपर क्लिप, हाइलाइटर, गोंद या करेक्शन–फ़्लुइड का प्रयोग न करें ।
शब्दकोष का प्रयोग मना है ।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें ।
दी गई उत्तर–पुस्तिका में अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें ।
उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें ।
परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से एक साथ बाँध दें ।
प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न–अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिए गए हैं ।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

SP (SJF3148) S61777/4
© UCLES 2004
UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

www.theallpapers.com

भाग 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भारत में प्रदूषण

भारत जैसे विकासशील देशों में प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है । दिल्ली सबसे प्रदूषित महानगर बन गया है । भारत में केवल वायु–मंडल का प्रदूषण ही नहीं परन्तु जल, खाद्य पदार्थ और मिट्टी का प्रदूषण भी स्वास्थ्य को हानि पहुँचा रहा है । यहाँ तक कि अब गंगा, यमुना और नर्मदा जैसी नदियों का पानी कई स्थानों पर प्रदूषण के कारण पीने योग्य नहीं रहा ।

फ़सलों पर कीटनाशकों के अंधा–धुंध छिड़काव से अनाजों, सब्ज़ियों और फलों में भी इन कीटनाशकों का अंश मिल रहा है जो कि स्वास्थ्य के लिए घातक है । अधिक आय की लालच में लोग ऐसे कीटनाशकों का प्रयोग कर रहे हैं जिन का व्यवहार उन्नत देशों में बंद कर दिया गया है । आज हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं वह हानिकारक गैसों और धूल से प्रदूषित है । हम जो पानी पी रहे हैं वह हानिकारक रोगाणुओं और रसायनों से प्रदूषित है और हम जो भोजन कर रहे हैं वह मिलावट के साथ–साथ कीटनाशकों और हानिकारक रसायनों से प्रदूषित है ।

हवा और तापक्रम प्रदूषण को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं । वायुमंडल में ओज़ोन नामक गैस की एक परत होती है जो हानिकारक विकिरण से पृथ्वी के लोगों को बचाती है । किन्तु प्रदूषण के कारण यह परत भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है ।

तीव्र गति से हो रहे शहरीकरण से भारत प्रदूषण के मामले में एक प्रमुख देश बनता जा रहा है । यहाँ के महानगरों में लंदन और न्यूयार्क से अधिक प्रदूषण है । देश के अधिकतर शहरों और गाँवों में गन्दगी का सही तरीके से निष्कासन न होने से जल और मिट्टी का प्रदूषण प्रायः होता रहता है । मनुष्यों द्वारा छोड़ी गई गन्दगी विभिन्न तरह के संक्रामक रोगों का प्रमुख कारण है । यह स्वास्थ्य समस्याओं के साथ–साथ देश पर आर्थिक बोझ भी डालती है । मनुष्य–जनित गंदगी और कीचड़ के अलावा जल–प्रदूषण के अन्य कारण भी हैं जैसे उद्योगों के अनुपयोगी पदार्थों का नदी नालों में मिलना तथा कृषि की भूमि के पानी का ऐसे स्रोतों से संपर्क होना । यह बहुत चिंतनीय तथ्य है । आँकड़े बताते हैं कि भारत में प्रतिवर्ष पचास लाख लोग आँत की बीमारियों के कारण मर जाते हैं । आज विश्व के पाँच करोड़ व्यक्ति ऐसी बीमारियों से ग्रस्त हैं ।

“विश्व स्वास्थ्य संगठन” प्रदूषण रोकने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है । इस संगठन के प्रयत्न से लंदन और वाशिंगटन में अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र बन गए हैं तथा विश्व के विभिन्न भागों में बीस से अधिक प्रयोगशालाएं स्थापित हो गई हैं । प्रदूषण के मामलों में यह केन्द्र आवश्यकतानुसार विश्व के देशों को चेतावनी देते रहते हैं ।

www.theallpapers.com

1 नीचे दिए गऐ प्रत्येक परिभाषा के लिए उपरोक्त अनुच्छेद से उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए ।

उदाहरण : हानिकारक गन्दगी फैलाना

उत्तर : प्रदूषण (para.1)

(a) बहुत हानिकारक जिससे मृत्यु भी हो सकती है । (para.2) [1]

(b) ऐसे रसायन जो कीड़े मकौड़ों को मार दें । (para.2) [1]

(c) विशेष काम निभाना । (para.3) [1]

(d) ख़राब हो जाना । (para.3) [1]

(e) निकालना ।(para.4) [1]

[पूर्णांक : 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द का प्रयोग करके, अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए ।

उदाहरण : अंधा–धुंध – बिना सोचे समझे (para.2)

उत्तर : भारत में फ़सलों पर कीटाणुओं को मारने वाले रसायनों का प्रयोग सावधानी से नहीं परंतु अंधा–धुंध किया जा रहा है ।

(a) रोगाणुओं (para.2, line 4) [1]

(b) संक्रामक (para.4, line 4) [1]

(c) मनुष्य–जनित (para.4, line 5) [1]

(d) चिंतनीय (para.4, line 6) [1]

(e) चेतावनी (para.5, line 3) [1]

[पूर्णांक : 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करके, अपने शब्दों में दीजिए । (प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गई है । इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं । पूर्णांक : 15 + 5 = 20)

(a) भारत में प्रदूषण की बढ़ोतरी का पता कैसे चलता है ? [3]

(b) हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली चीज़ें कैसे प्रदूषित हो रही हैं ? [3]

(c) वायुमंडल का क्या महत्व है और उसकी वर्तमान परिस्थिति क्या है? [2]

(d) भारत में प्रदूषण के लिए मनुष्य कितना उत्तरदायी है ? [4]

(e) प्रदूषण की रोकथाम के लिए "विश्व स्वास्थ्य संगठन" का क्या प्रयास चल रहा है ? [3]

[पूर्णांक : 20]

www.theallpapers.com

भाग 2

अब द्वितीय गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

विश्व पर्यावरण

2002 में विश्व पर्यावरण दिवस का विषय था "Give Earth a Chance"। आज यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन गया है । संरक्षणात्मक प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि पृथ्वी पर होने वाली सभी प्रकार की प्रगति पृथ्वी की रक्षा करे और उसे जीवित रखे ।

संरक्षणात्मक प्रगति के आवश्यक स्तम्भ हैं – आर्थिक उत्पादन, सामाजिक प्रगति तथा पर्यावरण और प्राकृतिक साधनों की रक्षा । 1987 में जब इस विचार का विस्फोट हुआ था तब इन उद्देश्यों पर पूरा ध्यान नहीं दिया गया था इस लिए 1992 में विश्व ने यह स्वीकार किया कि यह अति आवश्यक है कि पर्यावरण की रक्षा प्रत्येक देश की शासन नीति का केन्द्रीय अंग बने जो उसकी आर्थिक और सामाजिक प्रगति से पूर्ण रूप से जुड़ी हो । उस समय यह भी कहा गया था कि इस पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रगतिशील देशों की विशेष सहायता की जाएगी ताकि वे पर्यावरण की रक्षा करके ही नवीकरण को अपनाएं तथा विकसित देशों की अवहेलना व भूलों से शिक्षा लें। इस चेष्टा का परिणाम यह हुआ कि कल्याणकारी विकास, सब प्रकार की समानता और पर्यावरण की रक्षा विश्व का आदर्श बन गया । यही नहीं, उस समय इस आदर्श के साकार होने के लक्षण भी दृष्टिगोचर होने लगे ।

यह सच है कि तब से आज तक संरक्षणात्मक प्रगति पर ध्यान दिया गया है, चेष्टाएं की गई हैं और महत्वपूर्ण कार्यक्रम जारी हैं । किन्तु आज की स्थिति का अध्ययन करने से यह स्पष्ट होता है कि हमारे ग्रह को अत्यधिक सुरक्षा की आवश्यकता है और इस कमी की पूर्ति हमें पूरे लगन से करनी पड़ेगी । दरिद्रता, प्रदूषण और जनसंख्या की तीव्र वृद्धि इसके लिए घातक हैं । तीव्र गति से बढ़ती शहरीकरण, खाद्य पदार्थों का दुरुपयोग, पानी व भूमि व शक्ति की बढ़ती माँग इस ग्रह का गला घोंट रहे हैं और संरक्षणात्मक प्रगति के लिए हमारी अपर्याप्त चेष्टाओं को ललकार रहे हैं ।

जब तक प्रत्येक देश पर्यावरण की रक्षा का दायित्व स्वीकार नहीं करता तब तक संरक्षणात्मक प्रगति संकट–ग्रस्त रहेगी विशेषकर आज जब विश्व के कुछ देशों के पद– चिन्ह विनाशकारी और विस्तृत छाप छोड़ गए हैं और अभी भी छोड़ते जा रहे हैं । भारत में भोपाल की त्रासदी इसका एक अत्यंत दुखद परिणाम है । फिर भी खेद की बात तो यह है कि इस प्रकार की भूलों से जितनी सीख लेनी चाहिए वह हम लालच और स्वार्थ के वश में आकर नहीं ले पा रहे हैं ।

www.theallpapers.com

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करके, अपने शब्दों में दीजिए ।

(प्रत्येक प्रश्न के अंत में अंकों की संख्या दी गई है । इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं । पूर्णांक : 15 + 5 = 20)

(a) "Give Earth a Chance" आज एक महत्वपूर्ण विषय क्यों बन गया है ? [2]

(b) 1987 में किस विचार ने ज़ोर पकड़ा और उसकी क्या दुर्बलता थी ? [2]

(c) 1992 में विश्व ने किन–किन पहलुओं को महत्व दिया ? उस समय विकासशील देशों के प्रति क्या भाव प्रकट किया गया था और क्यों ? [6]

(d) आज हमारे ग्रह को सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है ? [3]

(e) विश्व में संरक्षणात्मक प्रगति कैसे हो सकती है ? [2]

[पूर्णांक : 20]

5 **(a)** उपरोक्त दोनों गद्यांशों, **भारत में प्रदूषण** और **विश्व पर्यावरण** के आधार पर पर्यावरण सुधार के सुझावों और नियमों का उल्लेख करें और बताएं कि भारत किस हद तक उनके पालन में सफल या असफल रहा है ? [10]

(b) उपरोक्त गद्यांशों , **भारत में प्रदूषण** और **विश्व पर्यावरण** के सार को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखत विषय पर अपनी राय दीजिए :
" क्या विश्व में संरक्षणात्मक प्रगति के सपने को साकार किया जा सकता है ? " [5]

दोनों प्रश्नों के उत्तर [5 **(a), (b)**] 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए ।

[भाषा और शैली : 5]

[पूर्णांक : 20]

© UCLES 2004

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

Copyright Acknowledgements:

© P Sawarnakar, *Sarita*, March 2002.

Every reasonable effort has been made to trace all copyright holders. The publishers would be pleased to hear from anyone whose rights we have unwittingly infringed.

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

www.theallpapers.com